शुक्रवार
12 अगस्त 2022

पृष्ठ 4

सेब खाने से दूर होंगी बीमारियां

पृष्ठ 5

फिर साथ नजर आएंगे परिणीति चोपड़ा-अक्षय कुमार

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 186
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

जिस प्रकार रात्रि का अंधकार केवल सूर्य दूर कर सकता है, उसी प्रकार मनुष्य की विपत्ति को केवल ज्ञान दूर कर सकता है।

– नारदभक्ति

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई.- 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

हमारी नई पीढ़ी अमृतकाल में देश के नए सोपानों को तय करेगी: धामी

संवाददाता

खटीमा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को शहीद स्थल खटीमा पहुंचकर आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड राज्य आंदोलन में शहीद हुए राज्य आंदोलनकारियों के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए नमन किया।

उन्होंने देश की आजादी तथा देश व देश की सीमाओं की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों, स्वतंत्रा सेनानियों को नमन किया।

❑मुख्यमंत्री ने हर घर तिरंगा अभियान में प्रतिभाग किया

❑शहीद राज्य आंदोलनकारियों के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आजादी के महोत्सव के तहत देशभर में कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज देश के अंदर राष्ट्र भक्ति का भाव जागृत हुआ है, यह समय जहां हमारे लिए आजादी का अमृत महोत्सव मनाने का है, वहीं आने वाले 25 साल अमृतकाल होगा। उसके लिए भी हमें संकल्पबद्ध होना है।

उन्होंने कहा कि हमारी नई पीढ़ी अमृतकाल में देश के नए सोपानों को तय करेगी। समृद्ध, समर्थ व शक्तिशाली भारत के रूप में जिसकी कल्पना कर रहे थे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसको आगे बढ़ाने का काम किया है। देश व राज्य के चहुंमुखी विकास हेतु हम सब संकल्प लें। इस अवसर पर मंडी समिति अध्यक्ष नन्दन सिंह खड़ायत, जिला महामंत्री अमित पांडे, रमेश जोशी, दान सिंह, गौरव सोनकर, संतोष अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, हरीश जोशी, भगत सिंह बोरा, जिलाधिकारी युगल किशोर पंत, एसएसपी मंजूनाथ टीसी उपस्थित थे।

शराबी कर रहे हैं उत्तराखंड सरकार को मालामाल

हमारे संवाददाता

देहरादून। शराबी उत्तराखंड सरकार को मालामाल कर रहे है। अकेले राज्य कर विभाग ने ही व्यापार कर/वैट के रूप में शराब खरीदने वालों से 22 वर्षों में 2297.63 करोड़ रूपये का टैक्स वसूला है। इसमें 2001-02 की तुलना में 18 गुना से अधिक वृद्धि हुई है। कोरोना काल के 2020-21 में भी शराब पर टैक्स में भारी बढ़ोत्तरी हुई। इस वर्ष पिछले वर्ष 2019-20 में वसूले गये 219.5 करोड़ से बढ़कर 247.6 करोड़ टैक्स वसूली की गयी।

इस बात का खुलासा काशीपुर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन एडवोकेट द्वारा आयुक्त कर कार्यालय/वाणिज्य कर मुख्यालय से प्रदेश भर में शराब पर वसूले गये टैक्स राजस्व की धनराशियों की सूचना मांगने के जवाब से हुआ। जवाब में राज्य कर मुख्यालय की लोक सूचना अधिकारी/उपायुक्त नीलम ध्यानी ने डिप्टी कमिश्नर (संख्या अनुभाग) दीपक बृजवाल द्वारा उपलब्ध कराये गये राजस्व आंकड़ों की प्रतियां उपलब्ध करायी है।

शराब से राज्य कर विभाग ने 22 वर्षों में वसूला 2297.63 करोड़ रूपये टैक्स

उपलब्ध सूचना के अनुसार शराब पर वित्तीय वर्ष 2001-02 में राज्य कर विभाग ने 15.9 करोड़ रूपये टैक्स वसूला जो 2021-22 में 18.34 गुना बढ़कर 307.49 करोड़ रूपये हो गया है। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2022-23 में मई तक केवल दो माह में ही 2001-02 के पूरे वर्ष की तुलना में चौगुने से अधिक 69.26 करोड़ रूपये टैक्स वसूला गया है। वर्ष 2001-02 में केवल 15.9 करोड़, 2002-03 में 18.01करोड़, 2003-04 में 21.08 करोड़,

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

राजू श्रीवास्तव की हालत गंभीर, पीएम मोदी ने ली स्वास्थ्य के बारे में जानकारी

नई दिल्ली । दिल का दौरा पड़ने के कारण दिल्ली एम्स में भर्ती मशहूर हास्य कलाकार राजू श्रीवास्तव की हालत गंभीर बनी हुई है। पारिवारिक सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को राजू श्रीवास्तव की पत्नी शिखा को फोन कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और सहयोग की पेशकश की। राजू श्रीवास्तव अभी भी वेंटिलेटर पर हैं और उनकी हालत में अभी तक सुधार नहीं हुआ है। उनका इलाज एम्स, दिल्ली के वरिष्ठ डॉक्टरों की देखरेख में चल रहा है।

राजू श्रीवास्तव को पिछले 46 घंटे से होश नहीं आया है और डॉक्टरों ने कहा कि उन्हें ब्रेन डैमेज हुआ है। 58 वर्षीय स्टैंड-अप कॉमेडियन को बुधवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनकी एंजियोप्लास्टी हुई। राजू श्रीवास्तव दिल्ली के साउथ एक्सटेंशन स्थित कल्ट जिम में ट्रेडमिल पर व्यायाम कर रहे थे, तभी उन्हें दिल का दौरा पड़ा। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजू श्रीवास्तव के परिवार से उनकी स्थिति के बारे में पूछताछ करने के लिए बात की है। मनोरंजन उद्योग में सक्रिय रहे राजू श्रीवास्तव को 2005 में स्टैंड-अप कॉमेडी शो द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चौलेंज के पहले सीजन में भाग लेने के बाद पहचान मिली। राजू श्रीवास्तव यूपी फिल्म विकास परिषद के अध्यक्ष भी हैं।

देश में कोविड-19 के 16 हजार से ज्यादा नए मामले आए, संक्रमण से 49 लोगों की हुई मृत्यु

नई दिल्ली । भारत में एक दिन में कोविड-19 के 16,561 नए मामले आने से संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,42,23,557 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 1,23,535 हो गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से 49 लोगों की मृत्यु होने से मृतक संख्या बढ़कर 5,26,928 हो गई है। मौत के इन 49 मामलों में वो 10 लोग भी शामिल हैं, जिनके नाम आंकड़ों का पुन:मिलान करते हुए केरल ने संक्रमण से हुई मौत की सूची में डाले हैं।

देश में कोविड-19 के उपचाराधीन

मरीजों की संख्या घटकर 1,23,535 हो गई है, जो कुल मामलों का 0.28 प्रतिशत है। मंत्रालय ने बताया कि कोविड-19 से ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.53 प्रतिशत दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 1,541 की कमी आई है।

गौरतलब है कि देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी।

संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे।

देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 25 जनवरी को संक्रमण के मामले चार करोड़ के पार हो गए थे।

दून वैली मेल

संपादकीय

भ्रष्टाचार एक बड़ा मुद्दा

उत्तराखंड की राजनीति में अब तक भ्रष्टाचार ही सबसे बड़ा मुद्दा रहा है जब इस राज्य का गठन हुआ था तब सूबे के नेताओं में राज काज चलाने की जो अनुभव हीनता थी उसका फायदा सूबे के मंझे और खेले खाए अधिकारियों द्वारा उठाया गया। नौकरशाह न सिर्फ नेताओं को अपनी उंगलियों पर नचाते रहे बल्कि मनमाने तरीके से काम करना उनकी आदत बना रहा। नतीजा सूबे में अविराम भ्रष्टाचार की गंगा बहती रही। भ्रष्टाचार का मुद्दा हर चुनावों में चुनावी मुद्दा रहा है और दल तथा नेता इसका लाभ उठाते रहे हैं। सूबे के घोटालों के नाम गिनाए जाए तो यह बेमानी बात होगी बस इतना समझ लेना ही काफी है कि इससे न तो भाजपा अछूती है और न ही कांग्रेस और उसके नेता। सूबे में अब तक एनएच घोटाला, खाद्यान्न घोटाला, कुंभ घोटाला, और तो और अभी हरिद्वार में कोरोना टेस्टिंग घोटाला भी सामने आया था। अभी कुछ दिन पूर्व भ्रष्टाचार के मामलों में वर्तमान सरकार द्वारा एक आईएएस अधिकारी को जेल भेजा गया है। दरअसल उत्तराखंड राज्य में भ्रष्टाचार पर एक दूसरे की घेराबंदी करने वाले यह सभी दल और नेता जानते हैं कि यहां दूध का धुला कोई नहीं है कोई किसी पर एक आरोप लगाता है तो उसका जवाब कैसे दिया जाता है जैसे कांग्रेस के नेता इन दिनों परीक्षा भर्ती घोटाले में कुछ और सफेदपोशों व अधिकारियों पर इस मामले में संलिप्त होने आरोप लगा रहे हैं और सरकार की घेराबंदी कर रहे हैं। इन तमाम आरोप-प्रत्यारोप से कुछ हासिल होने वाला नहीं है। पूर्व भाजपा सरकार के कार्यकाल में तत्कालीन मुख्यमंत्री बीसी खंडूरी ने लोकायुक्त बिल लाकर भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की पहली पहल की थी लेकिन सत्ता परिवर्तन के साथ इसे रद्दी की टोकरी में फेंक दिया गया जिसका नतीजा है आज सालों बाद भी राज्य में लोकायुक्त का गठन नहीं हो पाया है। वर्तमान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दूसरी बार सत्ता संभालते ही भ्रष्टाचार पर जीरो टोलरेंस के तहत अब भ्रष्टाचार में संलिप्त अधिकारियों व नेताओं पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। राज्य के इस सबसे बड़े मुद्दे पर लगाम कैसे लगाई जाए इस पर सही चिंतन मंथन और उस पर अमल होना जरूरी है।

तिरंगा फहराने को लेकर हैं कुछ नियम

नई दिल्ली । भारत सरकार ने भारतीय स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में श्आजादी का 'अमृत महोत्सव' और 'हर घर तिरंगा अभियान' शुरू किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने का आग्रह किया है। हर घर तिरंगा अभियान 13 अगस्त से 15 अगस्त 2022 तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें लोगों को अपने घरों पर तिरंगा फहराना है। सरकार ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत लोगों से अपने घरों में तिरंगा लगाने और फहराने की अपील की है।

भारत सरकार ने तिरंगा फहराने को लेकर कुछ नियम भी तय कर रखे हैं। राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के सम्मान के लिए इन नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है। फ्लैग कोड ऑफ इंडिया 2002 (भारतीय ध्वज संहिता) नाम के एक कानून में तिरंगे को फहराने के नियम निर्धारित किए गए हैं। इनका उल्लंघन करने वालों को जेल भी हो सकती है।

नियम यह है कि झंडे का आकार आयताकार होना चाहिए। तिरंगा कभी भी फटा या मैला-कुचौला नहीं फहराया जाना चाहिए। इसकी लंबाई और चौड़ाई का अनुपात 3:2 का होना चाहिए। अशोक चक्र का कोई माप तय नही हैं सिर्फ इसमें 24 तिल्लियां होनी आवश्यक हैं। झंडे के किसी भाग को जलाने, नुकसान पहुंचाने के अलावा मौखिक या शाब्दिक तौर पर इसका अपमान करने पर तीन साल तक की जेल या जुर्माना, या दोनों हो सकते हैं। झंडे पर कुछ भी बनाना या लिखना गैरकानूनी है।

भारत सरकार ने 26 जनवरी 2002 को तिरंगा फहराने व इसके इस्तेमाल को लेकर कानून बनाया था। पहले, मशीन से बने और पॉलिएस्टर से बने राष्ट्रीय ध्वज को फहराने की अनुमति नहीं थी। लेकिन दिसंबर 2021 में इसकी अनुमति दे दी गई। अब हाथ या मशीन से बना हुआ कपास/पॉलिएस्टर/ऊन/ रेशमी खादी से बना तिरंगा भी अपने घर पर फहराया जा सकता है। इसके बाद हर घर तिरंगा अभियान के तहत सरकार ने 20 जुलाई 2022 को फिर इस कानून में संशोधन किया। सरकार ने इस बार तिरंगे को किसी भी वक्त फहराने की अनुमति दे दी। अब इसे दिन रात 24 घंटे फहराया जा सकता है। इससे पहले तिरंगे को केवल सूर्योदय से सूर्यास्त तक फहराने की अनुमति थी। तिरंगे को किसी भी प्रकार के यूनिफॉर्म में प्रयोग में नहीं लाया जा सकता। किसी भी स्थिति में तिरंगा जमीन को छूना नहीं चाहिए। किसी अन्य झंडे को राष्ट्रीय ध्वज से ऊंचा नहीं रख या लगा सकते।

आयुर्वेद सभी वेदों का निचोड़ है, इस विद्या को पूरे विश्व में पहुंचाएः राज्यपाल

कार्यालय संवाददाता

हरिद्वार। शिव जी ने उत्तराखण्ड में योग, आयुर्वेद हम सभी को वरदान के रूप में दिया है हम सबका यह कर्तव्य बनता है कि हम इसको पूरे विश्व में पहुंचाए। यह उद्गार महामहिम राज्यपाल गुरमीत सिंह, लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) उत्तराखण्ड ने आदर्श आयुर्वेदिक फार्मेसी के भी 75 वर्ष पूरे होने पर आयोजित अमृत महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आज इस समारोह में शामिल होने पर हमें अपनी सभ्यता, संस्कृति एवं आयुर्वेद का अहसास हो रहा है। महामहिम ने कहा कि आयुर्वेद की असली ताकत का अहसास पूरे देश के लोगों को कोरोना काल में हुआ जब हमारी जड़ी-बूटियों द्वारा इम्युनिटी को बढ़ाने का तरीका लोगों को बताया जा रहा था और उस समय योग विद्या एवं आयुर्वेद ने हमको जगाया है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद सभी वेदों का निचोड़ है हम इस विद्या को पूरे विश्व में साझा करें।

विशिष्ट अतिथि विधान सभा अध्यक्ष श्रीमति ऋतु खण्डूरी ने कहा कि आदर्श आयुर्वेदिक फार्मेसी पिछले 75 वर्ष से लगातार आयुर्वेद के माध्यम से देश की सेवा कर रही है जो बधाई की पात्र है। उन्होंने कहा कि अगर आयुर्वेद को हम अपने जीवन में रखेंगे तो कभी बीमार नहीं होंगे। जो बीमार हैं उन्हें ठीक तो करता ही है आयुर्वेद, जो ठीक हैं उन्हें बीमार भी नहीं होने देता है आयुर्वेद।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महन्त रवीन्द्र पुरी महाराज ने कहा कि लल्लू वैद्य का नाम और काम हम बचपन काल से ही सुनते आ रहे हैं कि आयुर्वेद सेवा में उनका बहुत बड़ा नाम था, वहीं आज उनकी तीसरी पीढ़ी के वैद्य दीपक कुमार का भाव सन्तों के प्रति निःशुल्क रहता है।

अखाड़ा परिषद के उपाध्यक्ष महन्त दामोदर दास महाराज ने कहा कि आदर्श आयुर्वेदिक फार्मेसी ने अपने काम को मानवता से जोड़कर आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि अब धीरे-धीरे आमजन को आयुर्वेद की महत्ता का ज्ञान हो रहा है। महामण्डलेश्वर स्वामी हरिचेतनानन्द

गिरि जी महाराज ने कहा कि आज हम लल्लू वैद्य के रूप में दीपक कुमार को देख रहे हैं।

सूरत गिरी बंगले के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी विश्वेश्वरानंद जी महाराज ने कहा कि भारत के स्वतन्त्र काल में इस संस्था का उदय हुआ था तभी से सूरतगिरि बंगले के पीढ़ी दर पीढ़ी सम्बन्ध चले आ रहे हैं।

देश की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर देश भर में अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है, वहीं हरिद्वार के कनखल में 1947 में राज वैद्य स्वर्गीय श्री लल्लू वैद्य द्वारा स्थापित आदर्श आयुर्वेदिक फार्मेसी के भी 75 वर्ष पूरे हो गए हैं। आदर्श आयुर्वेद फार्मेसी के 75 वर्ष पूरे होने पर फार्मेसी का सफल संचालन कर रहे तीसरी पीढ़ी के प्रसिद्ध वैद्य दीपक कुमार द्वारा आज प्लेटिनम जयंती समारोह मनाया गया। इस मौके पर डॉ. दीपक कुमार, संजय कुमार, सीए नवीन कुमार, एडवोकेट सन्दीप कुमार, शाश्वत एवं उत्कर्ष ने राज्यपाल महोदय को प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया। वहीं अलका, प्रीति, मोनी, विम्पी एवं पिंकी ने विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूरी का स्वागत किया।

आचार्य पद्म प्रसाद सुवेदी ने फार्मेसी के प्रारम्भ काल से लेकर अब तक कार्यो पर विस्तार से प्रकाश डाला।

आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर शहीदों की वीरांगनाओं श्रीमती सुनीता त्रिपाठी, श्रीमति ऋतु, सैनिक के रूप में ले. जनरल टी.पी.एस. रावत, शीतल वर्मा योग एवं आयुर्वेद, श्रीरामकुमार मिश्रा सामाजिक कल्याण, रामकृष्ण मिशन उत्तम स्वास्थ्य, स्वामी अजरानन्द अन्ध विद्यालय मानवता कल्याण, डॉ. यतीन्द्र नागयान पर्यावरण, पद्म प्रकाश सुवेदी शिक्षा, डॉ. पहल सिंह पारम्परिक चिकित्सा, सुश्री मीनू सिंह सद्भावना को सम्मानित किया गया।

वेदा ग्रीन में आयोजित इस समारोह में राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, स्वामी जयेन्द्र मुनि जी महाराज, स्वामी रूपेन्द्र प्रकाश जी महाराज, स्वामी शरद पुरी जी महाराज, डॉ. हरिहरानन्द जी महाराज, स्वामी रविदेव जी महाराज, महन्त दिनेश जी महाराज, पूर्व न.पा.अ. सतपाल ब्रह्मचारी जी, स्वामी उमाकान्तानन्द जी, त्रिकाल भवन्ता, स्वामी सहदेव मुनी जी महाराज, पूर्व कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक, आदेश चौहान विधायक, श्रीमती ममता राकेश विधायक, पूर्व मेयर मनोज गर्ग, गंगा सभा अध्यक्ष प्रदीप झा सहित देश-विदेश से आए मेहमान, साधु सन्तों के साथ बड़ी संख्या में गणमान्य जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन कवि डॉ. नरेश मोहन ने किया।

यदा वीरस्य रेवतो दुरोणे स्योनशीरतिथिराचिकेतत्।
सुप्रीतो अग्निः सुधितो दम आ स विशे दाति वार्यमियत्यै।।

(ऋग्वेद ७-४२-४)

जब एक विद्वान मनुष्य के घर में अतिथि बनकर आता है। तो उसका भली प्रकार से सत्कार करना चाहिए। विद्वान जो ज्ञान का उपहार देगा उससे घर की समृद्धि और आदर सम्मान बढ़ेगा।

When a scholar comes to a person's house as a guest, he should be treated well. The gift of knowledge, which a scholar will give, will increase the prosperity and the honour of the house. (Rig Veda 7-42-4)

रंगनाथन का 130वां जन्मदिवस पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस के रूप में मनाया

संवाददाता

देहरादून। डा. एसआर रंगानाथन का 130वां जन्मदिवस राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस के रूप में मनाया गया।

आज यहां उत्तरांचल प्रेस क्लब में कार्यक्रम का आयोजन दून पुस्तकालय एवं शोध केन्द्र तथा देवभूमि लाइब्रेरी एसोसिएशन समिति के तत्वाधान में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलन के साथ ही रंगनाथन के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर पुस्तकालय संगठन से जुडे व्यक्तियों द्वारा रंगनाथन के व्यक्तित्व और उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रमाकांत बेंजवाल पुस्तकालयाध्क्ष राजभवन थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व मुख्य सचिव एसके दास ने की। दून पुस्तकालय एवं शोध केन्द्र के पुस्तकालयाध्यक्ष जेबी गोयल ने कहा कि दून पुस्तकालय एवं शोध केन्द्र द्वारा हमेशा से प्रयास किया जा रहा है कि पाठकों और शोधार्थियों को उनकी रूचि के हिसाब से संदर्भित सामग्री आसानी से प्राप्त हो सके। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए रमाकांत बेंजवाल ने सामाजिक सांस्कृतिक व शैक्षिक संदर्भ मे पुस्तकालय की महत्वपूर्ण भूमिका बतायी। उन्होंने पुस्तकालय कि क्रमिक विकास की जानकारी देते हुए कहा कि गुफाओं की शैल चित्रों की सांकेतिक लिपि से लेकर अब यह शब्द यात्रा हस्त लिखित पाण्डुलिपियों, प्रकाशित पुस्तकें तथा वर्तमान समय में ई-बुक तक पहुंच गयी है। ऐसे में हमें पुस्तकालय के महत्व को समझने की बहुत जरूरत है। पूर्व मुख्य सचिव एसके दास ने पुस्तकालय विज्ञान को विकसित और समृद्ध बनाने की बात पर जोर दिया।

उन्होंने सार्वजनिक पुस्तकालयों के विकास की और अधिकाधिक ध्यान दिये जाने की जरूरत बतायी। कार्यक्रम में दून पुस्तकालय एवं शोध केन्द्र के सलाहकार प्रोफेसर बीके जोशी तथा निदेशक एच रविशंकर ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

गणेश जोशी ने किया शहीद राजू गुरुंग द्वार का उद्घाटन

देहरादून (सं)। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने शहीद राजू गुरूंग की 26वीं पुण्यतिथि पर शहीद द्वार का उद्घाटन किया।

आज यहां प्रदेश के सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी मसूरी विधासभा क्षेत्र के अंतर्गत बिलासपुर काण्डली गांव पहुंचे। कैबिनेट मंत्री गणेश ने शहीद राजू गुरुंग की 26वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और शहीद द्वार का विधि वत उद्घाटन किया। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने शहीद लांस नायक राजू गुरुंग की फोटो पर पुष्प अर्पित कर उन्हें पुष्पांजलि दी और कहा कि उत्तराखण्ड राज्य वीरों की एवं देशभक्तों की भूमि है। प्रथम विश्वयुद्ध से लेकर आज तक राज्य के हजारों रणबांकुरे भारत माता की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी हैं। मंत्री जोशी ने कहा कि दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरना से भव्य राष्ट्रीय स्मारक बनाया गया है। उसी तर्ज पर राज्य के पांचवे धाम के रूप में सैन्यधाम का निर्माण देहरादून में करवाया जा रहा है। राज्य सरकार शहीदों के सम्मान और उनके परिजनों के साथ हमेशा खड़ी है। इस अवसर पर कार्यक्रम में ग्राम प्रधान लव कुमार तमंग, वंदना बिष्ट, संदीप कुमार ,नेहा थापा ,उषा चौहान , सपना कुंवर , नैन सिंह पवार , गोविंद सिंह देउपा, कमला जोशी ,मोहन महर ,ममता जोशी ,सपना कुमार ,कमला देवी विकास थापा, प्रेमजीत , सिप्पी देवी अनीता क्षेत्री , अंजली जेम्स, मंजू देउपा सहित शहीद के परिजन सहित कई लोग उपस्थित रहे।

शराब के साथ गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायवाला कोतवाली पुलिस ने रेलवे अन्डर पास मोतीचूर के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। उसके थैले की तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से दो पेटी शराब की बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम सुभाष पुत्र करताराम ग्राम मलकपुर लक्सर हरिद्वार बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का गांव 75 साल से मोटर मार्ग को तरसा

संवाददाता

देहरादून। ग्रामीण दिनेश भण्डारी ने कहा कि सरकार आजादी की 75वीं वर्षगांठ जोर शोर से मना रही हैं वहीं स्वतंत्रता सेनानी चंदन सिंह बिष्ट का गांव कुर्मांथ आज भी मोटर मार्ग के लिए तरस रहा है।आज यहां परेड ग्राउण्ड स्थित एक रेस्टोरेंट में पत्रकारों को इसकी जानकारी देते हुए भण्डारी ने कहा कि आज जहां केन्द्र व राज्य सरकार स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम जोर शोर से मना रही है वहीं दूसरी ओर भारतवर्ष को अंग्रेजों की गुलामी की बेडी से छूटाने में अपनी जान की बाजी लगाने वाले महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. चन्दन सिंह बिष्ट का गांव कुर्मांथा आजादी के 75 साल बाद भी मोटर मार्ग का इंतजार कर रहा है। इस प्रकार स्वतंत्रता संग्राम सेनानी को सम्मान से वंचित रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का गांव कुर्मांथा ब्लॉक यमकेश्वर पौडी गढवाल राजधानी से मात्र 60 किलोमीटर व धर्मनगरी ऋषिकेश से मात्र 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। उत्तराखण्ड के गठन होने पर आशा जगी थी कि यह गांव अब मोटर मार्ग से जुड जायेगा लेकिन 22 वर्ष बाद भी स्थिति जस की तस है। उन्होंने कहा कि अगर 14 अगस्त तक टेण्डर के अनुसार सडक निर्माण कार्य आरम्भ नहीं किया जायेगा तो स्वतंत्रता दिवस को एक दिवसीय अनशन, धरना प्रदर्शन मोहन चटटी से आगे झूला पुल को जाने वाली रोड के ऊपर करने के लिए जनता को मजबूर होना पडेगा। सत्यग्रह स्थल पर ही आगे के आन्दोलन की घोषणा की जायेगी। इस अवसर पर प्रमेश बिष्ट व दयाल सिं पयाल भी मौजूद थे।

धूमधाम के साथ मनाया जायेगा स्वतंत्रता दिवस : एसडीएम

संवाददाता

बेरीनाग। स्वतंत्रता दिवस और हर घर तिरंगा अभियान को लेकर एसडीएम बेरीनाग अनिल कुमार शुक्ला ने तहसील में विभिन्न विभागों और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की।

एसडीएम अनिल कुमार शुक्ला ने सभी विभागों के अधिकारियों को आदेश दिये आजादी अमृत महोत्सव के तहत स्वतन्त्रता दिवस धूमधाम से मनाये और स्कूली बच्चों के द्वारा निकाली जाने वाली प्रभात फेरी को सांस्कृतिक कार्यक्रमों की जानकारी ली प्रभात फेरी के दौरान नगर में यातायात व्यवस्था को बदलने को कहा। वह हर घर तिरंगा अभियान को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये।

नगर और विकास खंड के अधिकारियों को हर घर तिरंगा अभियान की जानकारी पहुंचाने के निर्देश दिए।इस मौके पर एसडीएम ने सिंगल यूज प्लास्टिक को लेकर बीडीओ और नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी को सख्त कदम उठाने और ग्रामीण और नगर क्षेत्र में जागरूकता कार्यक्रम चलाने को कहा।

इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष हेम पंत,भाजपा मंडल अध्यक्ष धीरज बिष्ट,जिला पंचायत सदस्य नंदन बाफिला, व्यापार संघ अध्यक्ष राजेश पंत, खंड विकास अधिकारी जीएल टम्टा, थानाध्यक्ष हेम चन्द्र तिवारी, नायब तहसीलदार कुंदन सिंह नयाल,खंड शिक्षा अधिकारी तरूण पंत, पेशकार प्रकाश बाफिला, संतोष उप्रेती सहित आदि मौजूद थे।

नाबालिग को भगाने में एक नामजद

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने नाबालिग को भगाने के मामले में एक को नामजद कर उसकी तलाश शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अधोईवाला निवासी महिला ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी नाबालिग बेटी बाजार गयी थी लेकिन वापस नहीं आयी उसने उसको काफी तलाश किया लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल सका तभी उसको कुछ लोगों ने बताया कि उसकी बेटी को शिवपुरी कालोनी निवासी समीर पुत्र शान मौहम्मद के साथ जाते हुए देखा गया था। उसने बताया कि समीर उसकी बेटी को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया है।

दून अस्पताल से पूर्व मंत्री का मोबाइल चोरी

संवाददाता

देहरादून। दून अस्पताल के वीआईपी वार्ड से पूर्व पंचायती राज मंत्री का मोबाइल चोरी हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहन सिंह रावत गांववासी किसी को देखने के लिए दून चिकित्सालय के वीआईपी वार्ड में गये थे जहां से उनको मोबाइल चोरी हो गया। मोहन सिंह रावत गांववासी ने इसका मुकदमा कोतवाली में दर्ज करा दिया है।

भारत जोड़ो तिरंगा यात्रा पहुंची गंगोलीहाट

कार्यालय संवाददाता

गंगोलीहाट (बेरीनाग)। कांग्रेस पार्टी की भारत जोड़ो तिरंगा यात्रा पूर्व सांसद प्रदीप टम्टा और गंगोलीहाट सह प्रभारी विधान सभा प्रत्याशी खजान चंद्र गुड्डू के नेतृत्व में विधानसभा गंगोलीहाट में तिरंगा यात्रा गंगोलीहाट पहुंची। जहाँ पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने यात्रा का जोरदार स्वागत किया।

इस मौके पर पूर्व राज्य सभा सांसद प्रदीप टम्टा ने कहा की यात्रा हमारी देश की एकता का प्रतीक है यात्रा के माध्यम लोगों एक जुट करने का संदेश दे रहे हैं। यात्रा में बलवंत मेहरा, दीपक नेवलिया ब्लाक अध्यक्ष कांग्रेस बेरीनाग, नारायण बोहरा नगर अध्यक्ष, रिंकी बिष्ट, पंकज बोहरा, मुकेश रावल, मोहन बोहरा सहित आदि मौजूद रहे ।

पद यात्रा के पश्चात लोनिवि गेस्ट हाउस में कार्यकर्ताओं वो जनता के साथ आम बैठक की गई साथ ही बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ताओं मौजूद रहे।

चोरी की बाइक सहित शातिर दबोचा

हमारे संवाददाता

देहरादून। बाइक चोरी मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक व्यक्ति को चोरी की गयी बाइक सहित गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार पकड़ा गया बाइक चोर शातिर किस्म का बदमाश है जो पहले भी अन्य अपराधों में जेल की हवा खा चुका है।

जानकारी के अनुसार बीती 10 अगस्त को सोराब पुत्र मुस्तकीम निवासी ग्राम दरियापुर दयालपुर द्वारा थाना भगवानपुर में तहरीर देकर बताया गया था कि 9 अगस्त की शाम में ग्राम छापुर मेले में गया था वहां मैने अपनी बाइक खडी की थी, जिसे किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिया गया है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर बाइक चोर की तलाश शुरू कर दी। बाइक चोर की तलाश में

जुटी पुलिस टीम को कड़ी मशक्कत के बाद कल देर शाम सूचना मिली कि उक्त चोरी में शामिल मनोज पुत्र विजयपाल निवासी ग्राम हल्लू माजरा चोरी की उक्त बाइक सहित क्षेत्र में देखा गया है। जिस पर तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान ग्राम छापुर से चोली प्लाट को जाने वाले कच्चे रास्ते से मनोज पुत्र विजयपाल को चुरायी गयी बाइक सहित गिरफ्तार लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार बाइक चोर शातिर बदमाश है जो पहले भी अन्य आरोपों मे जेल की हवा खा चुका है।

महंगाई पर चर्चा से होता क्या है

आज सात फीसदी की महंगाई ज्यादा चुभने वाली है क्योंकि नोटबंदी, जीएसटी और कोरोना महामारी ने आर्थिक रूप से लोगों की कमर तोड़ी है। वैसे थोक महंगाई पिछले एक साल से दहाई में ही है।

विपक्ष छाती पीट रहा है कि सरकार महंगाई पर चर्चा नहीं करा रही है। सरकार भी पता नहीं क्यों महंगाई पर चर्चा नहीं करा रही है। कायदे से तो सरकार को पहले दिन महंगाई पर चर्चा करा कर मामला खत्म करना चाहिए था। सरकार और विपक्ष दोनों को पता है कि महंगाई पर चर्चा से कुछ नहीं होता है। संसद में इतनी बार महंगाई पर चर्चा हो चुकी है कि लोग गिनती भूल गए हैं। लेकिन उससे हुआ क्या? क्या उस चर्चा से महंगाई कम हो गई? आज तक संसद के इतिहास में ऐसा नहीं हुआ है कि महंगाई पर चर्चा हुई हो और सरकारें इस बात से सहमत हुई हों कि महंगाई बढ़ रही है या चर्चा के बाद सरकार ने महंगाई घटाने का कोई फैसला किया हो।

उलटे महंगाई पर चर्चा नहीं कराने से ज्यादा अटेंशन मिल रहा है। विपक्ष को हंगामा करने का ज्यादा मौका मिल रहा है। संसद की कार्यवाही बाधित हो रही है और सरकार को ज्यादा सफाई देनी पड़ रही है। राज्यसभा में भाजपा के नेता और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सफाई देते हुए कहा कि यूपीए की सरकार में महंगाई दहाई में होती थी। सही बात है कि तब महंगाई दहाई में होती थी और इसी का ढिंढोरा पीट कर भाजपा सत्ता में आई। 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के प्रचार की थीम थी कि 'बहुत हुई महंगाई की मार, अबकी बार मोदी सरकार'। सो, उस बात को अब दोहराने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि आठ साल से यूपीए सत्ता से बाहर है।

यूपीए की सरकार में महंगाई की दर जब दहाई में थी तब देश का सकल घरेलू उत्पादन यानी जीडीपी बढ़ने की रफ्तार भी दहाई के करीब थी। अभी हकीकत यह है कि मार्च 2018 की तिहाई से लेकर अभी तक वास्तविक जीडीपी की दर चार फीसदी या उससे नीचे ही है। कोरोना काल में निगेटिव रही विकास दर अब सुधर जरूर रही है लेकिन भारत का जीडीपी अब भी 2019 के आसपास ही है। सो, इस तर्क का कोई मतलब नहीं है कि यूपीए के समय मुद्रास्फीति दहाई में थी। आज सात फीसदी की महंगाई ज्यादा चुभने वाली है क्योंकि नोटबंदी, जीएसटी और कोरोना महामारी ने आर्थिक रूप से लोगों की कमर तोड़ी है। ऊपर से थोक महंगाई पिछले एक साल से दहाई में ही है।(आरएनएस)

फिल्मों के बाद अब छोटे पर्दे पर धमाल मचाने आ रही हैं स्टनिंग अभिनेत्री पाखी हेगड़े

हिन्दी सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन से लेकर भोजपुरी पर्दे के सुपर स्टार रवि किशन, निरहुआ, खेसारीलाल यादव जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ अपनी अदाकारी के जलवे बिखेरने वाली अभिनेत्री पाखी हेगड़े जल्द ही छोटे पर्दे पर धमाल मचाती नजर आएंगी। पाखी हेगड़े पहली बार टीवी स्क्रीन पर स्टार प्लस के एक डेली सोप में डेब्यू करने वाली हैं, जिसका नाम है - 'उड़ती का नाम रज्जो'। इसको लेकर पाखी के फैंस बेहद एक्साइटेड हैं।

'उड़ती का नाम रज्जो' में पाखी का किरदार क्या होगा, इस बात का अब तक खुलासा नहीं हो पाया है। लेकिन ऐसा कहा जा रहा है कि वे धारावाहिक 'उड़ती का नाम रज्जो' में निगेटिव रोल में नजर आएंगी। सूत्रों की मानें तो उत्तर भारत में पाखी हेगड़े की मजबूत फैन फॉलोइंग इस डेली सोप को टीआरपी दिला सकती है।

यह शो एक युवा लड़की रज्जो के बारे में है, जो एक एथलीट बनना चाहती है और शो के लीड एक्टर उसे अपने सपने को पूरा करने के लिए प्रेरित करता है। स्टार प्लस पर उड़ती का नाम रज्जो 8 अगस्त से ऑन एयर होने जा रहा है। इससे पाखी को भी बेहद उम्मीदें हैं। पाखी ने कहा कि मैंने अपने करियर में कई तरह के किरदार निभाए हैं। अब मैं टीवी कर रही हूँ। इसमें मेरा किरदार अलग है।

इसके बारे में अभी बता नहीं सकती, लेकिन इतना जरूर कहूँगी कि मैं अपनी भूमिका से अपने फैंस को निराश नहीं करूंगी। बस अब कुछ ही दिनों की बात है। 8 अगस्त से स्टार प्लस आप सभी को मनोरंजन का नया अनुभव होने वाला है। बता दें कि पाखी हेगड़े अभिनय के साथ - साथ फिल्म मेकर भी हैं। वे कई फिल्में प्रोड्यूस कर चुकी हैं।

दर्जनों भोजपुरी फिल्मों में अपनी भूमिका से लोगों का दिल जीतने वाली पाखी अब टीवी पर अपनी नई पारी का आगाज कर रही है, जिस पर सबों की नजर होगी। इससे पहले भोजपुरी की दो खूबसूरत अदाकारा अक्षरा सिंह (सर्विस वाली बहु) और मोनालिसा (एक थी डायन) में नजर आ चुकी हैं, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। अब पाखी भी स्टार प्लस के फ्रेम से टीवी डेब्यू करने जा रही हैं। ऐसे में ये देखना दिलचस्प होगा कि उन्हें टीवी के दर्शक किस तरह से रिस्पॉन्स देते हैं।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

सेब खाने से दूर होंगी बीमारियां

अंग्रेजी में एक कहावत है एन ऐपल ए डे, किप्स दि डॉक्टर एवे सीधे शब्दों में इसका मतलब है एक सेब का सेवन रोजाना करने से आपको डॉक्टर के पास नहीं जाना होगा. सेब एक ऐसा फल है जिसमें कई पोषक तत्व पाए जाते हैं. एक सेहतमंद जीवन के लिए आपको रोज एक सेब सुबह खाने की सलाह भी दी जाती है. इससे कई गंभीर बीमारियों से बचाव होता है. इसके सेवन से अल्जाइमर, कैंसर और ट्यूमर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा काफी कम हो जाता है. सेब में मौजूद फाइबर पेट को साफ करता है. और इससे दिल और मसल्स की परेशानी में भी आराम रहता है. आइए जानते हैं रोज एक सेब खाने के फायदे.

अल्जाइमर में फायदा:

अल्जाइमर एक ऐसी बीमारी है जिसमें पीड़ित अपनी पिछली जिंदगी से जुड़ी बातें, अपने करीबियों और यहां तक कि कई बार अपने घर का पता तक भूल जाता है. इस बीमारी में सेब के जूस के सेवन से काफी फायदा होता है. दरअसल इससे दिमाग को काफी फायदा पहुंचता है.

पैनक्रियाटिक कैंसर में फायदा:

अमेरिकी कैंसर रिसर्च के साइंटिस्ट का कहना है कि रोज सुबह नाश्ते में एक सेब का सेवन करने से पैनक्रियाटिक कैंसर का खतरा लगभग 23 प्रतिशत तक घट जाता है. इससे ट्यूमर होने की संभावना में भी कमी आती है.

पार्किंसंस में फायदा:

रोजाना एक सेब खाने से पार्किंसंस रोग का खतरा कम हो जाता है. इस बीमारी में रोगी का सेंट्रल नर्वस सिस्टम प्रभावित होता है जिससे उसके हाथ पैर कांपने लगते हैं. इससे मुंह में सलाइवा ज्यादा बनता है जिससे बैक्टीरिया मुंह में ग्रो नहीं कर पाते और दांतों में कीड़े नहीं लगते हैं.

ये फूड्स दूर कर देंगे सिरदर्द, दवाईयों की जगह करे इनका सेवन

आजकल के बिजी लाइफस्टाइल के कारण अपनी सेहत का ध्यान रखना थोड़ा सा मुश्किल हो गया है। ज्यादा स्क्रीन टाइम के कारण आंखों और सिरदर्द जैसी समस्या होने लगती हैं। कई बार तो सिरदर्द इतना ज्यादा होने लगता है कि काम में भी ध्यान नहीं लग पाता। जिसके कारण बहुत से लोग दवाईयों का सेवन करना शुरु कर देते हैं। परंतु बाद में इन दवाईयों का आपके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, अपनी डाइट में कुछ फूड्स को शामिल करके आप इस समस्या से राहत पा सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

सिरदर्द जैसी समस्या से राहत पाने के लिए आप कैल्शियम से भरपूर फूड्स का सेवन जरुर करें। दही में भी भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है। इसके अलावा इसमें राइबोफ्लेविन भी होता है जो विटामिन-बी का हिस्सा होता है। यह आपके सिरदर्द को दूर करने में सहायता करता है। इसलिए आप रोज दही का सेवन करें। यदि आप दही नहीं खाना चाहते तो रायता या फिर इसकी छाछ बनाकर भी पी सकते हैं।

आप अदरक का सेवन भी सिरदर्द को दूर करने के लिए कर सकते हैं। यह एक ऐसा सूपरफूड होता है जो सिरदर्द को कम करने में सहायता करता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व रुट प्रोस्टाग्लैंडीन को ब्लॉक करते हैं, जिससे आपको सिरदर्द में काफी आराम मिलता है। आप अदरक की चाय बनाकर इसका सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा आप अदरक को अपने खाने में भी शामिल कर सकते हैं।

आप हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन कर सकते हैं। यह शरीर के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। यदि आपको लगातार सिर में दर्द रहता है तो आप इन्हें अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। हरी सब्जियों में मैग्नीशियम पाया जाता है। मैग्नीशियम की कमी के कारण भी सिरदर्द होने लगता है। आप पालक, कोलार्ड ग्रीन्स, शलजम, साग और ब्रोकली अपने डाइट में शामिल कर सकते हैं। पालक में 24 मिलीग्राम मैग्नीशियम मौजूद होता है जो आपके स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होता है।

फल भी स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। जिन फलों में मैग्निशियम, पोटेशियम पाया जाता है खासकर वह आपकी सिरदर्द जैसी समस्या के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। आप केले का सेवन सिरदर्द से राहत पाने के लिए कर सकते हैं। इसमें पोटेशियम, मैग्नीनिशयम और विटामिन-बी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। केले के अलावा आप खुबानी, एवोकाडो, रास्पबेरी, खरबूज और तरबूज का सेवन भी कर सकते हैं। सिरदर्द का एक कारण डिहाइड्रेशन भी हो सकता है। डिहाइड्रेशन दूर करने के लिए आप पानी से भरपूर फ्रूट्स का सेवन करें।

शब्द सामर्थ्य -26

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. याद, स्मरण 3. अग्नि, आग, पवित्र करने वाला 6. गौ जाति का नर 8. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 10. मुस्कुराहट, तबस्सुम 11. खारा, नमक के स्वाद जैसा 14. मुख्यभाग, निचोड़ 16. पिंडली व एड़ी के बीच की दोनों ओर उभरी हड्डी, गुल्फ 18. अद्भूत, विचित्र 21. सम्राट, बादशाह, नरेश 22. कृति, निर्माण करना, बनाना 23. बड़ी थाली 24. समूह, दल 26. एहसानमंद, कृतज्ञ 27. ध्वनि, सदा 28. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर।

ऊपर से नीचे

2. अपमान, अनादर, अवज्ञा 3. जल, नीर, अम्बु 4. वाणी, वादा, कथन 4. कर्म शब्द का अपभ्रंश, भाग्य 7. लकड़ी का घूमने वाला एक गोल खिलौना, बिजली का बल्ब 9. लोग, प्रजा 10. यात्री, राही, पथिक 12. कीड़ा 13. चोचला, अदा 15. दंड 17. अवैध, अनुचित 18. जो आधिकारिक न हो, जो अधिकार प्राप्त न हो 19. जैसा होना चाहिए ठीक वैसा, सत्यपरक, वाजिब 20. ताकत, शक्ति 24. प्रश्न, समस्या 25. घटना, घटना का वर्णन 26. एक प्रसिद्ध पक्षी जो रात में विचरण करता है, लक्ष्मीजी की सवारी 27. पानी, चमक।

1	2	■	3	4	5	■	6	7
■	8	9				■	■	
10			■	11		12	13	■
14		■	15	■	■	16		17
	■	18		19	20	■	21	
22			■	23		■	■	
■	■		■		■	24	25	
26				■	27			■
	■		■	■	28			

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 25 का हल

टे	ढ़ा	मे	ढ़ा	■	म	हा	र	त
क	■	ह	■	■	■	■	ज	न
■	जा	न	की	■	क	म	नी	य
■	■	त	म	क	ना	■	■	■
म	■	■	त	ह	त	■	दा	ब
सी	मा	■	■	ला	■	स	न	द
हा	थ	म	ल	ना	■	वा	■	च
■	■	द	■	■	घा	ल	मे	ल
■	ब	द	ह	वा	स	■	■	न

जी5 पर आदित्य रॉय कपूर की फिल्म ओम

आदित्य रॉय कपूर की फिल्म राष्ट्र कवच ओम 1 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गई। आदित्य के अलावा संजना संघी, जैकी श्रॉफ, प्रकाश राज, और आशुतोष राणा जैसे कलाकार भी फिल्म की डूबती नैया को नहीं बचा पाए। कपिल वर्मा ने इसका निर्देशन किया है। अब मेकर्स ने फिल्म की ओटीटी रिलीज डेट घोषित कर दी है। यह फिल्म जी5 पर दस्तक देगी। जी5 ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की डिजिटल रिलीज डेट का ऐलान किया है। जी5 ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, खतरा कितना भी बड़ा क्यों ना हो, उसका अंत ओम के हाथो लिखा है। सबसे शक्तिशाली योद्धा अपने राष्ट्र के लिए लड़ने के लिए तैयार है। जय भवानी! ओम 11 अगस्त को जी5 पर रिलीज हुई।

कमाई के मामले में ओम फिसड्डी साबित हुई है। इस फिल्म ने अब तक भारत में केवल सात करोड़ रुपये कमाए हैं। शुरुआत से ही फिल्म को कोई तव्वजों नहीं मिली। फिल्म ने अपने ओपनिंग डे को मात्र डेढ करोड़ रुपये कमाए थे। ओपनिंग वीकेंड तक यह आंकड़ा 4.91 करोड़ रुपये तक पहुंचा। फिल्म ने एक सप्ताह के बाद 7.01 करोड़ रुपये बटोरे। इस फिल्म को आर माधवन की रॉकेट्री से कड़ी टक्कर मिली।

बॉक्स ऑफिस पर बॉलीवुड फिल्मों की असफलता का दौर जारी है। हालिया रिलीज हुई फिल्में शमशेरा, शाबाश मिट्ठू, हिट और सम्राट पृथ्वीराज सिनेमाघरों में कमाल नहीं दिखा पाई हैं। दूसरी तरफ साउथ फिल्मों का अच्छा कारोबार रहा है।

मेलबर्न के भारतीय फिल्म समारोह में प्रदर्शित होगी जय भीम

टी.जे. ज्ञानवेल की समीक्षकों द्वारा प्रशंसित कोर्ट रूम ड्रामा जय भीम, जिसमें सूर्या, लिजोमोल जोस और मणिकंदन मुख्य भूमिका में हैं, यह तमिल फिल्मों में से एक होगी, जिसे इस साल 12 से 30 अगस्त के बीच मेलबर्न के भारतीय फिल्म महोत्सव में प्रदर्शित किया जाएगा। फिल्म एक बहादुर कार्यकर्ता-वकील की कहानी बताती है, जो न्याय के लिए लड़ता है जब एक गरीब आदिवासी व्यक्ति, जिस पर डकैती का झूठा आरोप लगाया जाता है, पुलिस हिरासत से गायब हो जाता है। इस वर्ष के उत्सव में कुछ अन्य विचारोत्तेजक तमिल फिल्मों में डॉक्यूमेंट-फिक्शन फिल्म द रोड टू कुथरियार और पेरियानायकी शामिल हैं। भारत मिर्ले द्वारा निर्देशित द रोड टू कुठरियार में ध्रुव अथरे, चिन्ना दोराई, पार्वती ओम, एम.के. राघवेंद्र, मरिअम्मल और सरवण ध्रुव। फिल्म की कहानी शहर के एक वन्यजीव शोधकर्ता का अनुसरण करती है, जिसे तमिलनाडु में 600 वर्ग किलोमीटर कोडाइकनाल वन्यजीव अभयारण्य के स्तनपायी सर्वेक्षण करने के कार्य का सामना करना पड़ता है।

आलिया भट्ट ने जी ले जरा पर एक अपडेट किया साझा

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने फिल्म निर्माता-अभिनेता फरहान अख्तर की जी ले जरा पर एक अपडेट साझा किया है, जिसमें कैटरीना कैफ और प्रियंका चोपड़ा भी हैं। एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले जोया अख्तर और रीमा कागती के सहयोग से लिखित इस फिल्म की घोषणा पिछले साल की गई थी।

फिल्म हो रही है या नहीं, इस बारे में कई दौर की अटकलें थीं, आलिया भट्ट ने अपनी हालिया मीडिया बातचीत में सभी अफवाहों को खारिज कर दिया। आलिया ने कहा, यह हो रहा है, हम अगले साल फर्श पर जाएंगे। बेशक हम इस साल फर्श पर नहीं जा सकते। हम उस फिल्म को जाने नहीं दे रहे हैं। हम इसके लिए लड़ रहे हैं और हम सब इसके लिए बहुत उत्साहित हैं। यह काफी बड़ी फिल्म होने वाली है और हम इंतजार नहीं कर सकते।एक्सेल एंटरटेनमेंट भारत के प्रमुख प्रोडक्शन हाउस में से एक है। एक्सेल एंटरटेनमेंट ने दिल चाहता है, जिंदगी ना मिलेगी दोबारा, दिल धड़कने दो और गली बॉय जैसी सुपरहिट फिल्में दी हैं।

मिर्जापुर के अभिनेता आसिफ खान ने गलतियां से किया अपना म्यूजिक वीडियो डेब्यू

अभिनेता आसिफ खान का कहना है कि, उनका नवीनतम म्यूजिक वीडियो गलतियां उनके लिए काफी खास है, क्योंकि वह भौकाल की अभिनेत्री लीला लुल्ला के साथ अपना म्यूजिक वीडियो डेब्यू कर रहे हैं। मोहन कन्नन द्वारा गाया गया, गलतियां दीपाली साठे द्वारा रचित, सावेरी वर्मा द्वारा लिखित और प्रज्ञान चतुर्वेदी द्वारा निर्देशित है।

आसिफ ने कहा, गलतियां कई कारणों से मेरे लिए बेहद खास है। हालांकि यह मेरे संगीत वीडियो की शुरूआत का प्रतीक है, मोहन कानन और राहुल मलिक जैसे कुछ अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली नाम इस ट्रैक से जुड़े हैं और मैं वास्तव में उनके काम की प्रशंसा करता हूं।

संगीत वीडियो मनीष मुंद्रा और वनिक्की त्यागी द्वारा निर्मित है और इसमें आसिफ खान और लीला लुल्ला हैं। मोहन कन्नन और दीपाली साठे के गायन के साथ, सावेरी वर्मा के बोल और दीपाली साठे द्वारा संगीतबद्ध, यह गीत अब दृश्यम प्ले के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध है।

फिर साथ नजर आएंगे परिणीति चोपड़ा-अक्षय कुमार

अक्षय और परिणीति चोपड़ा एक बार फिर से पर्दे पर साथ दिखेंगे। इससे पहले दोनों 2019 की फिल्म केसरी में साथ नजर आए थे। फिल्म में दोनों को पसंद किया गया था। परिणीति ने खुद इस खबर की पुष्टि की है।

बीते दिनों लंदन और यॉर्कशॉयर से अक्षय और परिणीति की तस्वीरें सामने आई थीं। चर्चा थी कि दोनों फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। अब परिणीति ने खुद अक्षय के साथ तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर के साथ परिणीति ने लिखा, हम फिर आ गए। इस बार केसरी जोड़ी यॉर्क में शूटिंग कर रही है लेकिन हंसी, मजाक, खेल और पंजाबी गपशप सबकुछ पहले जैसे ही हैं। अक्षय और परिणीति की इस फिल्म का टाइटल अभी तय नहीं है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक अक्षय और परिणीति की यह फिल्म माइनिंग इंजीनियर जसवंत गिल पर आधारित है। उन्होंने कोल माइन में फंसे कर्मियों की बहादुरी से जान बचाई थी। इस फिल्म का निर्देशन टीनू सुरेश देसाई कर रहे हैं। इससे पहले वह 1920: लंदन और रुस्तम जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। उन्होंने अक्षय की फिल्म बेबी में असिस्टेंट डायरेक्टर का काम किया था। कुछ दिन पहले लंदन के खेतों से अक्षय की पगड़ी पहने तस्वीरें वायरल हुई थीं।

परिणीति चोपड़ा सूरज बड़जात्या की फिल्म ऊंचाई में अमिताभ बच्चन के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म 11 नवंबर को रिलीज होगी। इसके अलावा परिणीति के इम्तियाज अली की फिल्म में काम करने की भी चर्चा है। अक्षय कुमार की फिल्म रक्षा बंधन 11 अगस्त को रिलीज हुई। इसके अलावा वह राम सेतु, ओएमजी 2, सेल्फी और मिशन सिंड्रेला जैसे प्रोजेक्ट्स में शामिल हैं। अक्षय बड़े मियां छोटे मियां 2 में भी दिखेंगे।

अक्षय और परिणीति की फिल्म केसरी 2019 में होली के मौके पर रिलीज हुई थी। यह एक वॉर फिल्म थी जो सारागढ़ी के युद्ध पर आधारित थी। फिल्म का गाना तेरी मिट्टी काफी लोकप्रिय हुआ था।

बॉलीवुड का आभार जिसने मुझे खुले रूप से स्वीकार किया : सनी लियोनी

सनी लियोनी ने हिंदी सिनेमा में 10 साल की लंबी यात्रा के लिए बॉलीवुड का आभार जताया है और कहा है कि बॉलीवुड ने उन्हें खुली बाहों से स्वीकार किया और सिनेमा में करियर विश्वास दिलाता है कि कड़ी मेहनत हमेशा परिणाम देती है। अभिनेत्री ने बिग बॉस सीजन 5 के बाद जिस्म 2 के साथ अपना करियर शुरू किया। इसके बाद उन्होंने रईस में शाहरुख खान के साथ लोकप्रिय नंबर लैला में अभिनय किया। उन्हें कई अन्य फिल्मों के बीच वेब-सीरीज अनामिका में भी देखा गया।

अपनी यात्रा के बारे में बात करते हुए, अभिनेत्री ने कहा: जब मेरे पति डेनियल वेबर और मैंने पहली बार काम करना शुरू किया, तो हमने पहली कंपनी शुरू करने के लिए बैंकों से पैसे उधार लिए और इसे एक सफल उद्यम में बदल दिया।

जब बॉलीवुड में आए तो यह मेरे करियर का अगला पड़ाव था। तब से यह एक अद्भुत यात्रा रही है। मैं विनम्र हूं। मेरे प्रशंसकों ने मुझ पर जो अद्भुत प्यार और समर्थन बरसाया है, उसने मुझे नई ऊंचाइयों को छूने में मदद की है। मैं उनके समर्थन के बिना ऐसा नहीं कर पाती।

सिनेमा में मेरी यात्रा इस बात का विश्वास दिलाती है कि कड़ी मेहनत हमेशा परिणाम देती है। मुझे अपने जीवन से प्यार है और मुझे अपने काम से प्यार है। मेरे पास एक अद्भुत परिवार है, डैनियल एक अच्छा साथी है, तीन खूबसूरत बच्चे हैं, एक प्यारा घर है और एक करियर है जिसे मैंने एक साथ रखने के लिए कड़ी मेहनत की है। मैं हर दिन काम करती हूं, कभी-कभी बिना किसी ऑफ के और मैं अपने काम से कभी संतुष्ट नहीं होती हूं। मैं आभारी हूं कि बॉलीवुड ने मुझे खुले हाथों से स्वीकार किया और मैंने एक ऐसी इंडस्ट्री में जगह बनाई जो केवल कुछ ही लोगों के लिए होती है।

अगले साल नो एंट्री 2 की शूटिंग शुरू करेंगे सलमान खान

नो एंट्री ने रिलीज होते ही सिनेमाघरों में धमाल मचा दिया था। फिल्म में मस्ती और कॉमेडी का जबरदस्त डोज शामिल था। काफी समय से नो एंट्री 2 को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। कहा जा रहा है कि इस फिल्म को फिर अनीस बाज्मी निर्देशित करेंगे। खास बात यह है कि इसमें सलमान खान भी फिर से दर्शकों का मनोरंजन करते दिखेंगे। अब खबर है कि सलमान अगले साल जनवरी में इस फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, सलमान अगले साल जनवरी में नो एंट्री 2 के प्रोजेक्ट के साथ जुड़ जाएंगे। खबरों की मानें तो सलमान ने किच्चा सुदीप की फिल्म विक्रांत रोणा के प्रमोशन के एक इवेंट में अनीस को आमंत्रित किया था। सलमान ने इस कार्यक्रम में अनीस को नो एंट्री 2 के डेट्स पर चर्चा करने के लिए बुलाया था। इवेंट के बाद सलमान ने अनीस से कहा कि वह जनवरी, 2023 में नो एंट्री 2 की शूटिंग शुरू करना चाहेंगे।

अनीस फिल्म के प्री-प्रोडक्शन में लग गए हैं। उनके पास तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए साढ़े पांच महीने का वक्त है। अनीस का कहना है कि जनवरी में फिल्म की शूटिंग करना सबसे मुफीद समय होगा। जहां तक लोकेशंस की बात है, तो उन्होंने कहा कि वह इसकी शूटिंग बड़े पैमाने पर मुंबई और विदेशों में भी करेंगे। इस फिल्म में दस अभिनेत्रियां नजर आएंगी और इनमें से कुछ अभिनेत्रियों की कास्टिंग अलगे 15 दिनों में होगी।

अनीस ने कहा था कि भूल भुलैया 2 के बाद उनका अगला प्रोजेक्ट नो एंट्री 2 होगा। इसका निर्माण सलमान की प्रोडक्शन कंपनी एसकेएफ, बोनी कपूर और जी स्टूडियो मिलकर कर रहे हैं। इसमें सलमान, अनिल कपूर और फरदीन खान की तिकड़ी ट्रिपल रोल की भूमिका में दिखेगी। इन तीनों अभिनेताओं के हर एक कैरेक्टर के लिए अभिनेत्रियों की कास्टिंग की जाएगी। इसमें डेजी शाह, बिपाशा बसु, सेलिना जेटली और लारा दत्ता के दिखने की खबरें हैं।

नो इंट्री 2005 में आई एक सुपरहिट फिल्म साबित हुई थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 79.85 करोड़ रुपये की कमाई की थी। बोनी कपूर ने इस फिल्म का निर्माण किया था, जबकि फिल्म का निर्देशन अनीस ने किया था। फिल्म में फरदीन ने अपने कॉमिक अभिनय से सभी को प्रभावित किया था। वहीं, इसमें सलमान ने लव गुरु का किरदार निभाया था, जिसकी सलाह मानने पर अनिल और फरदीन मुसीबत में फंस जाते हैं।

फरदीन काफी समय बाद नो एंट्री के सीक्वल से बॉलीवुड में वापसी करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म में भूमिका को लेकर फरदीन ने अपना वजन कम किया है। उन्हें आखिरी बार 2010 में रिलीज हुई फिल्म दूल्हा मिल गया में देखा गया था। (आरएनएस)

अमृत वर्ष में संसद का हाल

अजीत द्विवेदी

देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है और इस बात की पूरी कोशिश हो रही है कि अमृत वर्ष में संसद का कम से कम एक सत्र नए भवन में आयोजित हो। इसके लिए नए भवन के निर्माण का कार्य जोर-शोर से चल रहा है। निर्माण कार्य पूरा होने से पहले ही शुभ मुहूर्त में पूजा-पाठ करके एक विशाल अशोक स्तंभ नए भवन के शीर्ष पर प्रतिष्ठित कर दिया गया है। संभव है कि संसद का शीतकालीन सत्र नए भवन में हो। कोरोना महामारी के दौरान नए संसद भवन की जरूरत और उसके निर्माण पर होने वाले खर्च को लेकर कई अहम सवाल उठे थे। सवाल जायज थे फिर भी इस तर्क से इसे न्यायसंगत माना जा सकता है कि सरकार ने अंग्रेजों के बनाए संसद भवन से निकल कर आजाद भारत में बने संसद भवन में अमृत वर्ष मनाने की सोच में इसका निर्माण कराया है। जैसा कि प्रधानमंत्री ने खुद कहा कि यह आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी भारत का प्रतीक होगा। फिर भी सवाल है कि क्या अंग्रेजों की बनाई संसद की इमारत से निकलने के साथ साथ भारत ब्रिटिश मॉडल से ली गई संसदीय राजनीति की आत्मा को भी छोड़ देगा?

भारत में संसदीय प्रणाली ब्रिटेन के वेस्टमिनिस्टर मॉडल पर अपनाई गई, जिसमें राष्ट्रपति, राज्यसभा और लोकसभा मिल कर संसद का निर्माण करते हैं। संविधान में शक्तियों के पृथक्करण का सिद्धांत अपनाया गया, जिसमें विधायिका यानी संसद और विधानसभाओं को कानून बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई। साथ ही संविधान के जरिए कानून निर्माण की एक प्रक्रिया तय की गई, जिन्हें कायदे से संवैधानिक सिद्धांतों और लोकतांत्रिक परंपराओं के जरिए समय के साथ मजबूत होना चाहिए था। परंतु अफसोस की बात है कि भारत में समय के साथ कानून निर्माण की प्रक्रिया बेहतर होने की बजाय बदतर होती गई। विधायिका के ऊपर कार्यपालिका हावी हो गई और संसद का काम सरकार की ओर से बनाए गए कानूनों को मंजूरी देने भर का रह गया। सोचें, कितनी हैरानी की बात है कि संसद अपनी तरफ से किसी कानून की न तो जरूरत बता सकती है और न कानून बनाने की प्रक्रिया शुरू कर सकती है। सत्र के दौरान हफ्ते में एक दिन प्राइवेट मेंबर बिल लाने का होता है। हर हफ्ते शुक्रवार को कोई भी सांसद देश और समाज की जरूरत को समझते हुए कोई बिल पेश कर सकता है। यह भी दुर्भाग्य है कि बिल चाहे कितना भी अच्छा और जरूरी हो, आज तक भारतीय संसद ने संभवतः किसी प्राइवेट मेंबर बिल को मंजूरी नहीं दी है।

बहरहाल, आजादी के अमृत वर्ष में नए संसद भवन में संसदीय कार्यवाही शुरू होने से पहले आखिरी सत्र पुरानी संसद में चल रहा है। यह पुराने संसद भवन में विदाई सत्र है। इसके बाद कोई बैठक इस ऐतिहासिक संसद भवन में नहीं होगी। वैसे तो भारत में पहला संसदीय चुनाव 1952 में हुआ था लेकिन उससे पहले संविधान सभा की बैठकें इसी संसद भवन में हुई थीं। अगर संविधान सभाओं में हुई बहसों से शुरू करके अभी चल रहे विदाई सत्र तक की तुलना करें तो हैरानी भी होगी और दुख भी होगा कि भारत की संसदीय प्रणाली कहां से शुरू हुई और कहां पहुंची है! संविधान सभा में संविधान के एक एक अनुच्छेद और उसके अनुबंधों व उप अनुबंधों को लेकर लंबी लंबी बहसें हुईं। आजादी की लड़ाई से निकले तपे-तपाए कुछ राजनेता अपनी विद्वता से तो कुछ सिर्फ अपने अनुभव और जमीनी समझ के आधार पर बहसों में शामिल हुए और एक बेहतरीन संविधान और शासन की संसदीय प्रणाली तैयार की।

बहस और संवाद की जिस परंपरा के साथ इस संसदीय लोकतांत्रिक प्रणाली की शुरुआत हुई थी आज वहीं नदारद है। आज संसद में संवाद और बहस की परंपरा विलुप्त हो गई है। कोई भी कानून बनाने से पहले बहस नहीं होती है। यहां तक कि कानून की बारीकियों पर कोई विचार नहीं किया जाता है, यह बात सुप्रीम कोर्ट ने भी कही है। सरकार के अधिकारी कानून का मसौदा बनाते हैं, जिस पर संसद की मुहर लग जाती है। सत्तापक्ष में सिर्फ मूर्तियां बैठाई जा रही हैं, जिनका काम सरकार के हर अच्छे-बुरे विधेयक को पक्ष में हाथ उठाना होता है। एकाध अपवादों को छोड़ दें तो आजाद भारत में इसकी मिसाल नहीं है कि सत्तापक्ष के किसी सांसद ने सरकार के लाए विधेयक का विरोध किया हो। संसद में व्हिप की ऐसी व्यवस्था लागू है कि कोई भी सांसद अपनी इच्छा से वोटिंग नहीं कर सकता है। सो, कुल मिला कर देश की संसद अमृत वर्ष आते आते बदतर स्थिति में आ चुकी है। सरकार के एजेंडे से संसद चल रही है। संसदीय समितियों को निष्क्रिय कर दिया गया है। विधेयक संसदीय समितियों को विचार के लिए नहीं भेजे जा रहे हैं। पिछले कई बरसों से कोई संयुक्त संसदीय समिति नहीं बनी है और न कोई संयुक्त प्रवर समिति बनी है। संसद की सबसे महत्वपूर्ण समिति लोक लेखा समिति होती है, जो देश के नियंत्रक व महालेखापरीक्षक यानी कैग की रिपोर्ट पर विचार करती है पर अब कैग की रिपोर्ट्स की संख्या पहले से एक चौथाई रह गई है। उन पर भी विचार करते हुए सत्तापक्ष के सांसद अपने बहुमत के दम पर सरकार के पक्ष का फैसला करवाते हैं या समिति की रिपोर्ट रूकवा देते हैं। पेश होने से चंद मिनट या चंद घंटे पहले विधेयक सामने आ रहे हैं और मिनटों में उन्हें पास कराया जा रहा है। देश की व्यापक आबादी पर असर डालने वाले विधायक भी बिना विचार-विमर्श के पेश किए जा रहे हैं। विवादित विधेयकों को पास कराने के लिए विपक्ष को मार्शल के जरिए सदन से निकालवा देने या निलंबित कर देने की नए परंपरा शुरू हो गई है।

संसद में प्रतिरोध को प्रतीकित करने वाले शब्दों को असंसदीय बनाया जा रहा है तो संसद परिसर में धरना-प्रदर्शन देने पर पाबंदी लगाई जा रही है। संसद के मॉनसून सत्र में दोनों सदनों से निलंबित सांसद 50 घंटे तक संसद परिसर में धरने पर बैठे रहे लेकिन दोनों सदनों के प्रमुखों से लेकर सरकार के संसदीय कार्य मंत्री तक किसी न उनसे बात करने की जरूरत नहीं समझी। उसकी पूरी तरह से अनदेखी कर दी गई। अमृत वर्ष के संसद सत्र में यह भी देखने को मिला को समूचा सत्ता पक्ष विपक्ष की एक नेता के इस्तीफे की मांग पर हंगामा कर रहा था। दोनों सदनों में केंद्रीय मंत्री चीख रहे थे और विपक्षी पार्टी के अध्यक्ष का इस्तीफा मांग रहे थे। यह भी अद्भुत दृश्य था। सोचें, जब संसद में बहस नहीं होगी, किसी विधेयक पर चर्चा नहीं होगी, संसदीय समितियों को बिल नहीं भेजे जाएंगे, विपक्ष की कोई बात नहीं सुनी चाहिए, बल्कि विरोध करने पर उनको निलंबित कर दिया जाएगा, शब्दों को नियंत्रित किया जाएगा और धरने-प्रदर्शन रोके जाएंगे तो संसद चाहे कैसी भी फैंसी इमारत में चली जाए रहेगी तो वह बिना आत्मा के ही!

क्या आपका परफ्यूम लंबे समय तक चलता है

लंबे समय तक चलने वाले महिलाओं के परफ्यूम की मांग 2022 में बढ़ गई है क्योंकि मौसम के कारण सुगंध अधिक तेजी से फीकी पड़ जाती है। रिपोर्ट के अनुसार, 2022 की शुरूआत के बाद से, वैश्विक खोज रुचि में 1,650 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

परफ्यूम कितने समय तक टिकता है के लिए हर महीने औसतन 6,400 सर्च होते हैं, जबकि 5,900 लोग सवाल करते हैं कि परफ्यूम को लंबे समय तक कैसे बनाया जाए। कुल मिलाकर, यह हर साल 147,600 वैश्विक खोजें हैं।

इसे ध्यान में रखते हुए, ताजमीली के विशेषज्ञों ने समझाया है कि सुगंध गर्मियों के दौरान लंबे समय तक क्यों नहीं रहती है। एक प्रवक्ता बताते हैं-

जब सूरज निकलता है और तापमान अधिक होता है, तो आपके परफ्यूम में अल्कोहल आपकी त्वचा से अधिक तेजी से वाष्पित हो जाएगा। जैसे ही यह वाष्पित हो जाता है, सुगंध इसके साथ जाती है।

जहां आप अपना परफ्यूम स्टोर करते हैं वह भी एक भूमिका निभा सकता है। सीधी धूप या नम स्थितियों के संपर्क में आने से आपका परफ्यूम बोतल में खराब हो जाता है।

अच्छी खबर यह है कि कुछ हैक्स हैं जो आपकी सुगंध को पूरी गर्मियों में मीठी महक रखने में मदद कर सकते हैं - और रहस्य एक विनम्र लोशन में निहित हो सकता है। नमीयुक्त त्वचा पर सुगंध अधिक समय तक टिकती है, क्योंकि यह सुगंध को बनाए रखता है। इसलिए इसके फीके पड़ने की संभावना कम होती है।(आरएनएस)

सू- दोकू क्र. 26

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.25 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

तेलुगू फिल्म बिंबिसार उपशीर्षक के साथ उत्तर भारत में होगी रिलीज

दक्षिण की कई अखिल भारतीय फिल्मों की हालिया सफलताओं के पीछे डब किए गए संस्करणों की रिलीज को एक प्रमुख कारक के रूप में स्वीकार किया जाता है, लेकिन एक दिलचस्प कदम में, जो प्रवृत्ति के खिलाफ जाता है, एनटीआर आर्ट्स द्वारा निर्मित तेलुगू फिल्म बिंबिसार उपशीर्षक मार्ग को बाहरी बाजारों में ले जाएगी।

आरआरआर, केजीएफ 2 और पुष्पा की सुपर सफलता के मद्देनजर, भव्य रूप से घुड़सवार फंतासी एक्शन-ड्रामा, बिंबिसार 5 अगस्त, 2022 को व्यापक रिलीज का लक्ष्य बना रहा है। यूएफओ मूवीज, जिसने हाल ही में बहुत पसंद किया 777 चार्ली और रॉकेटरी वितरित किया। वहीं इस तेलुगू फिल्म को अंग्रेजी उपशीर्षक के साथ उत्तर भारत में रिलीज करेगी।

बिंबिसार में जूनियर एनटीआर के भाई नंदमुरी कल्याण राम 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व में मगध के सम्राट की शीर्षक भूमिका में कैथरीन ट्रसा, संयुक्ता मेनन और वरीना हुसैन के साथ थे। फिल्म का निर्माण नंदामुरी कल्याण राम के होम बैनर एनटीआर आर्ट्स द्वारा किया गया है, जो अन्य फिल्म निर्माताओं से कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद, इस विशाल परियोजना को एक साथ रखने में सक्षम था।(आरएनएस)

लौट आया शीत युद्ध

यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद दुनिया में बड़ी ताकतों के बीच कई मोर्चों पर होड़ देखने को मिल रही है। लेकिन बात सिर्फ धरती तक सीमित नहीं है। बल्कि यह अंतरिक्ष तक पहुंची दिखती है। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) को लेकर भी एक नई होड़ दिख रही है। फरवरी 2022 की शुरुआत में रूस की स्पेस एजेंसी रोसकोसमोस पर अंतरिक्ष में अमेरिका और यूरोप ने प्रतिबंध लगा दिए। इसके बाद रोसकोसमोस के अधिकारियों ने कहा कि यूरोप, एशिया, और अमेरिका अंतरिक्ष में रूस के सहयोग के बिना नहीं टिक सकते। उन्होंने कहा- अगर आप हमारी सहायता करना बंद कर देते हैं, तो आईएसएस को अनियंत्रित होने और उसे अमेरिका या यूरोप में गिरने से कौन बचाएगा? आईएसएस भारत या चीन में भी गिर सकता है। क्या आप इन संभावनाओं के आधार पर उन्हें डराना चाहते हैं? अब बीते हफ्ते रूसी स्पेस एजेंसी के नए निदेशक यूरी बोरिसोव ने इन चेतावनियों को दोहराया। साथ ही उन्होंने पुष्टि की कि रूस वास्तव में 2024 के बाद आईएसएस के साथ अपना सहयोग समाप्त कर देगा। उन्होंने कहा- उस समय तक हम रूसी ऑर्बिटिंग स्टेशन बनाना शुरू कर देंगे।

उधर अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अमेरिकी सरकार से वादा किया है कि 2030 तक आईएसएस काम करता रहेगा। नासा ने बीते जनवरी में एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी। इसमें रूस को अभी भी आईएसएस के प्रमुख भागीदार के तौर पर बताया गया था। लेकिन तब तक रूस ने यूक्रेन पर हमला नहीं किया था। अमेरिका की योजना है कि 2030 के बाद उन अंतरिक्ष कार्यक्रमों को निजी क्षेत्र के प्लेटफॉर्म पर संचालित किया जाएगा, जिन्हें आज आईएसएस की मदद से किया जाता है। नासा ने कहा है कि एक या उससे ज्यादा व्यावसायिक स्वामित्व और संचालन वाले स्पेस स्टेशन आईएसएस की जगह ले सकते हैं। ऐसा होने के बाद 2031 में आईएसएस को नियंत्रित तरीके से पृथ्वी पर वापस लाया जाएगा और प्रशांत महासागर के एक निर्जन इलाके में उतारा जाएगा। लेकिन यह बात तय है कि धरती से लेकर अंतरिक्ष तक अंतरराष्ट्रीय सहयोग अब एक दुर्लभ बात होती जा रही है। यह कोई अच्छी खबर नहीं है। यह एक तरह से पुराने शीत युद्ध की वापसी है।(आरएनएस)

गंगा विचार मंच के कार्यकर्ताओं ने छात्र-छात्राओं के साथ निकाली तिरंगा रैली

उत्तरकाशी (कासं)। गंगा विचार मंच के कार्यकर्ताओं ने आज आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष में घर घर तिरंगा-हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत राजकीय इंटर कालेज गढ़ बरसाली के छात्र छात्राओं व अध्यापकगणों व कर्मचारियों के साथ तिरंगा रैली का आयोजन किया। गंगा विचार मंच के प्रांत संयोजक लोकेन्द्र सिंह बिष्ट ने इंटर कालेज गढ़ बरसाली के 95 छात्रों व 30 अध्यापकगणों व कर्मचारियों को तिरंगा भेंट कर घर घर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया। आजादी के अमृत महोत्सव के इस अवसर पर स्कूली छात्रों ने जोश खरोश उमंग व उत्साह के साथ तिरंगा रैली में हिस्सा लेकर भारत माता की जय, वंदे मातरम, घर घर तिरंगा-हर घर तिरंगा के नारों के साथ स्कूल से लेकर सौंदगाव व गढ़ व माँगलिसेरा, बरसाली, सिंगोट व कुंसी, पाव ग्रामसभाओं के लोगों को हर घर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया।

बार एसोसिएशन ने निकाली तिरंगा यात्रा

संवाददाता

देहरादून। दून बार एसोसिएशन ने कचहरी परिसर से घंटाघर तक तिरंगा यात्रा निकाली और लोगों देश की एकता का संदेश दिया।

आज यहां पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मनमोहन कण्डवाल के नेतृत्व में बार एसोसिएशन के पदाधिकारी व अधिवक्ता बार भवन के बाहर एकत्रित हुए। जहां से उन्होंने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज को लेकर तिरंगा यात्रा की शुरूआत की। तिरंगा यात्रा कचहरी से शुरू होते हुए दून चौक, दर्शनलाल चौक होते हुए घंटाघर पहुंची जहां पर उन्होंने उत्तराखण्ड के गांधी इन्द्रमणि बडोनी की

प्रतिमा पर माल्यार्पण कर देश के शहीदों को याद किया। जहां से वह वापस बार भवन में पहुंचकर समाप्त हुई। तिरंगा यात्रा में सचिव अनिल शर्मा, उपाध्यक्ष भानू प्रसाद सिसौदिया, कपिल अरोडा संयुक्त सचिव, राहुल अमोली, दीपक त्यागी, सुभाष परमार, सुभाष बहुगुणा, सुश्री निशा रावत, मधु नेगी, दीपक कुमार, अजय त्यागी, अजय कुमार, प्रमिला रावत सहित काफी संख्या में अधिवक्ता शामिल थे।

शराबी कर रहे हैं उत्तराखंड सरकार को... ▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

2004-05 में 21.57 करोड़, 2005-06 में 28.49 करोड़, 2006-07 में दोगुना होकर 31.79 करोड़ रूपये टैक्स वसूल किया गया है।

वर्ष 2007-08 में 37.62 करोड़, 2008-09 में 50.58 करोड़, 2009-10 में 56.82 करोड़, 2010-11 में 83.98 करोड़, 2011-12 में 5.79 गुना होकर 92.12 करोड़ टैक्स वसूला गया है। वर्ष 2012-13 में 108.09 करोड़, 2013-14 में कुछ कम होकर 89.77 करोड़, 2014-15 में पुनः बढ़कर 100.55 करोड़, 2015-16 में 2001-02 की तुलना में 9.13 गुना होकर 145.17 करोड़ रूपये टैक्स वसूला गया। वर्ष 2016-17 में 146.76 करोड़, 2017-18 में 185.72 करोड़, 2018-19 में 219.76 करोड़, 2019-20 में थोड़ी कमी होकर 219.5 करोड़ तथा 2020-21 में कोविड महामारी वर्ष में भी 247.6 करोड़ तथा 2021-22 में 2001-02 की तुलना में 19.34 गुना होकर 307.49 करोड़ रूपये टैक्स वसूला गया। वर्ष 2022-23 में केवल 2 माह, अप्रैल व मई में 2001-02 की तुलना में 4.36 गुना 69.26 करोड रूपये टैक्स शराब की बिक्री से राज्य कर विभाग द्वारा वसूला गया है।

यूकेएसएसएससी पेपर लीक मामला

अपर सचिव न्याय विभाग गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। यूकेएसएसएससी पेपर लीक मामले में एसटीएफ ने सचिवालय से न्याय विभाग के अपर नीजि सचिव को गिरफ्तार कर लिया है। एसटीएफ ने उक्त प्रकरण में अभी तक 16 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए स्पेशल टास्क फोर्स के एसएसपी अजय सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2021 में 4 व 5 दिसम्बर को उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा स्नातक स्तरीय परीक्षा का आयोजन किया गया था। जिसमें 160000 अभ्यार्थियों ने परीक्षा दी थी तथा 916 अभ्यर्थी चयनित हुए थे। इस परिक्षा पर कई संगठनों ने गडबडी का आरोप लगाया था जिसके बाद मुख्यमंत्री के आदेश पर मामले में रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच एसटीएफ को सौप दी गयी थी। एसटीएफ ने अपनी जांच करते हुए इस मामले में शूरवीर

❑अभी तक हो चुकी हैं 16 गिरफ्तारियां

सिंह चौहान, कुलवीर सिंह स्वामी डेल्टा कोचिंग सेन्टर करनपुर, मनोज जोशी पीआडी पूर्व कर्मचारी यूकेएसएसएससी रायपुर, गौरव नेगी, जयजीत दास प्रोग्रामर, प्रिंटिंग प्रेस लखनऊ, मनोश जोशी कनिष्ठ सहायक सितारगंज न्यायालय, अभिषेक वर्मा कर्मचारी प्रिन्टिंग प्रेस लखनऊ, दीपक चौहान मेडिकल यूनिवर्सिटी हेमवती नंदन बहुगुणा सेलाकुई में संविद कर्मी, भावेश जगूडी मेडिकल यूनिवर्सिटी सेलाकुई संविद कर्मी, दीपक शर्मा, अमरीश कुमार उत्तराखण्ड पुलिस आरक्षी ऊधमसिंह नगर, महेन्द्र चौहान कनिष्ठ सहायक नैनीताल न्यायालय, हिमांशु काण्डपाल कनिष्ठ सहायक रामनगर न्यायालय, तुषार चौहान व गौरव चौहान अपर निजी सचिव सचिवालय को अभी तक गिरफ्तार कर लिया गया था। इन सभी के खिलाफ पेपर लीक कर अभ्यार्थियों से पैसे लेना सिद्ध हो गया था तथा पुलिस ने इनके कब्जे से 83 लाख रूपये नगद बरामद कर लिया। आज एसटीएफ ने सचिवालय में तैनात भानुप्रताप निवासी ग्राम निवाड मंडी जसपुर जनपद ऊधमसिंह नगर जोकि न्याय विभाग में अपर निजी सचिव के पद पर तैनात है तथा इसके खिलाफ एसटीएफ को पुख्ता साक्ष्य मिले जिसमें इसकी मामले मे संलिप्ता पायी गयी है को आज गिरफ्तार कर लिया गया है जिसको न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

मारपीट में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर सिर पर पत्थर मारकर घायल करने के मामले में दो अज्ञात युवकों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नालापानी चौक निवासी युवती ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने भाई के साथ जा रही थी जब वह डीएवी कालेज के पास पहुंचे तभी दो अज्ञात युवकों ने उनके साथ मारपीट करते हुए उसके भाई के सिर पर पत्थर से वार कर उसको घायल कर दिया और जाते हुए उनको जान से मारने की धमकी देकर गये।

महिला मोर्चा ने स्कूली बच्चों के साथ निकाली तिरंगा यात्रा

देहरादून (सं)। भाजपा महिला मोर्चा ने स्कूली बच्चों के साथ तिरंगा यात्रा निकाली। आज यहां महिला मोर्चा महानगर अध्यक्ष कमली भट्ट के नेतृत्व में लक्ष्मी देवी अकादमी स्कूल के बच्चों के साथ तिरंगा यात्रा निकाली बच्चों द्वारा बहुत ही सुंदर स्लोगन के साथ तिरंगा यात्रा निकाली कमली भट्ट ने कहा कि आज देश के

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवाहन पर पूरा देश और मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के आवाहन पर पूरा प्रदेश राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा से सज रहा है जिसमें महिलाओं की भागीदारी भी बहुत बड़ी है जिसमें महिलाएं घर घर जाकर तिरंगा अभियान में पूरे हर्षोल्लास उमंग और उत्साह के साथ राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा हर घर में दे रही है। इस अवसर पर स्कूल के महा प्रबंधक बेनी प्रसाद भट्ट सह प्रबंधक भागवत प्रसाद प्रबंधक मंजू मौर्य सुनीता, आशा रावत, शिवानी, सुनील राजेश्वरी, मनोहर चौहान, अनिरुद्ध भट्ट व स्कूल के अध्यापक उपस्थित रहे।

कावड़ के दौरान 7 दुकानों में हुई चोरियों का खुलासा, दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। मोबाइल चोरी मामले के खुलासे में जुटी पुलिस को खासी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने दो चोरों को दबोच कर उनके पास से चुराया गया मोबाइल तो बरामद किया ही है साथ ही पुलिस ने कांवड़ के दौरान सात दुकानों में हुई चोरियों का भी खुलासा कर दिया है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने दुकानों से चुराया गया सामान व नगदी भी बरामद की है।

जानकारी के अनुसार बीती 10 अगस्त को मौ. वकार पुत्र मौ. इरशाद निवासी कासमपुर द्वारा थाना बहादराबाद में तहरीर देकर बताया गया था कि उनका मोबाइल किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चुरा लिया गया है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मोबाइल चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। मोबाइल चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम ने कल देर शाम एक सूचना के आधार पर जीशान कबीर निवासी मुस्तफाबाद बहादराबाद हाल कलियर तथा गुलबहार पुत्र शमीम निवासी रामपुर चुंगी रूडकी को कोर कॉलेज के सामने कलियर मोड से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ मे उन्होने बताया कि वह दोनो कांवड़ मेले के दौरान कांवड़िए के भेष में कई कांवड़ियों के मोबाइल, बैग आदि चोरी करते रहे तथा उन्होने कांवड़ समाप्ति के दिन बहादराबाद काली माता मंदिर के पास रात्रि में दुकानों में चोरी करने की बात भी कबूल करी। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने लोहे के पूल के पास से कावड़ के दौरान हुई चोरियों का माल व चार हजार की नगदी भी बरामद की है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

एक नजर

आतंकवादियों ने बांदीपोरा में प्रवासी मजदूर की गोली मारकर की हत्या

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में गुरुवार देर रात बिहार के एक प्रवासी मजदूर की आतंकवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। बांदीपोरा के सोदनारा सुंबल में 11-12 अगस्त की दरमियानी रात को आतंकवादियों ने बिहार के मधेपुरा जिले के मोहम्मद अमरेज के रूप में पहचाने जाने वाले प्रवासी मजदूर पर गोलियां चलाईं। अमरेज को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां उसने दम तोड़ दिया। मृतक के भाई ने बताया कि लगभग 12:20 बजे मेरे भाई ने मुझे जगाया और कहा कि फायरिंग शुरू हो गई है। वह (मृतक) आसपास नहीं था, हमें लगा कि वह शौचालय गया है। हम जांच करने गए, उसे खून से लथपथ देखा और सुरक्षा कर्मियों से संपर्क किया। उसे हाजिन लाया गया और बाद में रेफर कर दिया गया लेकिन उसकी मौत हो गई। राजौरी में एक सैन्य शिविर में आतंकवादियों द्वारा घुसपैठ के असफल प्रयास के 24 घंटों के भीतर यह लक्षित हत्या हुई।

स्वतंत्रता दिवस से पहले दिल्ली में बरामद हुए 2 हजार कारतूस, 6 अरेस्ट

नई दिल्ली (हसं)। स्वतंत्रता दिवस से पूर्व दिल्ली पुलिस की चौकसी के चलते एक शातिर गैंग हाथ लग गया है। पुलिस ने गैंग के 6 सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके पास से 2 हजार जिंदा कारतूस बरामद किये है। पुलिस अब इन लोगों से पूछताछ कर रही है साथ ही यह कारतूस किन्हे सप्लाई देना चाहते थे इसके बारे में जानकारी ले रही है। स्वतंत्रता दिवस से पूर्व जहां हर जगह व राज्यों में सुरक्षा व्यवस्था चौकस है वहीं कुछ आपराधिक किस्म के लोग इस सुरक्षा व्यवस्था का मखौल उड़ाने में भी नहीं हिचक रहे है। ऐसा ही एक मामला पूर्वी दिल्ली इलाके के आंनन्द विहार में सामने आया है। जहां 2 बैग के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। जिससे पूछताछ की गयी तो पूरे गैंग का खुलासा हो गया। पुलिस ने बताये गये स्थान पर छापेमारी कर 6 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार यह गिरोह दिल्ली में अवैध कारतूसों की सप्लाई करता था। इनके कब्जे से अब तक 2 हजार कारतूस बरामद किये गये है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस अब ये जानने की कोशिश कर रही है कि आरोपी यह कारतूस कहां सप्लाई करने वाले थे. इनके खरीददार कौन-कौन थे और ये कहां इस्तेमाल होने वाले थे। पुलिस इस गैंग की पूरी कुंडली खंगालने में जुटी हुई है।

एलजी ने डीडीए के 11 पूर्व अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के दिए आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के अध्यक्ष के रूप में वित्तीय हेराफेरी और कोडल औपचारिकताओं के उल्लंघन, सीपीडब्ल्यूडी वर्क्स मैनुअल और जीएफआर के उल्लंघन के नौ साल पुराने मामले में डीडीए के 11 पूर्व अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया। सेवानिवृत्त डीडीए अधिकारियों में एक मुख्य अभियंता, अधीक्षक अभियंता और कार्यकारी अभियंता शामिल हैं, जबकि अन्य अधिकारी वित्त और लेखा विभागों से थे। वहीं उपराज्यपाल ने सरकारी खजाने को गंभीर कदाचार और नुकसान को ध्यान में रखते हुए इन सेवानिवृत्त अधिकारियों के पूर्ण पेंशन लाभों को स्थायी रूप से वापस लेने का भी आदेश दिया है। मामला किंग्सवे कैंप में कोरोनेशन पार्क के उन्नयन और सौंदर्यीकरण के कार्य से संबंधित है जो 2013 में मैसर्स अजब सिंह एंड कंपनी को दिया गया था। कार्य की निविदा लागत 14.24 करोड़ रुपये थी, लेकिन नरेला और धीरपुर में बिना स्वीकृति के 114.83 करोड़ रुपये के अतिरिक्त कार्य किए गए।

एसएसपी ने किया 13 इंस्पेक्टरों व 16 दरोगाओं का स्थानान्तरण

संवाददाता

देहरादून। एसएसपी दिलीप सिंह कुंवर ने 13 इंस्पेक्टरों व 16 दरोगाओं के कार्यक्षेत्र में फेरबदल कर शंकर सिंह बिष्ट को विकासनगर को कोतवाल बनाया।

आज यहां एसएसपी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार एसएसपी ने 13 इंस्पेक्टरों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल कर शंकर सिंह बिष्ट को कोतवाल विकासनगर, राजेन्द्र सिंह रावत को एसएसआई शाखा से कैण्ट कोतवाल, रविन्द्र शाह को निरीक्षक विकासनगर से पुलिस कार्यालय, सूर्यभूषण नेगी को पुलिस लाईन से प्रभारी निरीक्षक पटेलनगर, रविन्द्र यादव को प्रभारी निरीक्षक पटेलनगर से प्रभारी एसआईएस शाखा, राजेश शाह को पुलिस लाईन से प्रभारी निरीक्षक डोईवाला, मनोज मनवाल को प्रभारी निरीक्षक डोईवाला से प्रभारी सीनियर सिटीजन सैल, मुकेश त्यागी पुलिस लाईन प्रभारी निरीक्षक नेहरू कालोनी, प्रदीप चौहान को प्रभारी निरीक्षक नेहरू कालोनी

❑शंकर सिंह बिष्ट बने कोतवाल विकासनगर

से पुलिस कार्यालय, गिरीश चन्द शर्मा को प्रभारी निरीक्षक मसूरी से प्रभारी डीसीसी पुलिस कार्यालय, दिगपाल सिंह कोहली को प्रभारी डीसीसी पुलिस कार्यालय से प्रभारी निरीक्षक मसूरी व बसंत विहार थाना प्रभारी विनोद सिंह राणा को पुलिस कार्यालय भेज दिया गया है।

इसके साथ ही 16 दरोगाओं के कार्यक्षेत्र मे फेरबदल करते हुए सुभाष जखमोला को धारा चौकी प्रभारी बनाया गया नवीन जुराल को पुलिस लाईन से एसएसआई पटेलनगर, लोकेन्द्र बहुगुणा को पुलिस कार्यालय से चौकी प्रभारी आईएसबीटी, बलदीप सिंह को पुलिस लाईन से एसएसआई रायपुर, पंकज तिवारी को हर्बटपुर से चौकी प्रभारी जोगीवाला, नरेन्द्र पुरी को चौकी प्रभारी हाथीबडकला से चौकी प्रभारी नया गांव, मयंक तिवारी को पुलिस लाईन से चौकी प्रभारी सर्किट हाउस, वैभव गुप्ता को पुलिस लाईन से चौकी प्रभारी हर्बटपुर, विनय शर्मा को मसूरी से चौकी प्रभारी करनपुर, हर्ष अरोडा को एसएसआई पटेलनगर से चौकी प्रभारी हाथीबडकला, संदीप रावत को पुलिस लाईन से चौकी प्रभारी कुल्हाल, अमित चौकी प्रभारी कुल्हाल से कोतवाली ऋषिकेश, आशीष रावत को एसएसआई रायपुर से कोतवाली नगर, मिथुन कुमार को चौकी प्रभारी धारा से कोतवाली पटेलनगर, विनेश कुमार को चौकी प्रभारी मयूर विहार से कोतवाली ऋषिकेश तथा गिरीश चन्द को पुलिस लाईन से चौकी प्रभारी मयूर विहार बनाया गया। सभी को तत्काल प्रभाव से अपना कार्यभार सम्भालने के आदेश दिये गये हैं।

बस व कार की भीषण टक्कर, कार के परखच्चे उड़े

हमारे संवाददाता

देहरादून। सड़क दुर्घटना में आज सुबह एक बस और कार की जोरदार भिड़त हो गयी। टक्कर में कार के परखच्चे उड़ गये वही बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गयाी। हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है वहीं कुछ लोगों को हल्की चोटें आने पर प्राथमिक उपचार दिया गया है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह एक रोडवेज बस यात्रियों को लेकर देहरादून से पौड़ी जा रही थी। इसी दौरान करीब साढ़े सात बजे लच्छीवाला के पास तेज रफ्तार बस ने कार को पीछे से टक्कर मार दी। जिससे दोनों वाहन अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराये, प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण था कि कार के बुरी तरह परखच्चे उड़ गये। बताया जा रहा है कि हादसे के समय कार में दो लोग सवार थे, जबकि बस भी यात्रियों से भरी हुई थी। बस सवार लोगों का आरोप है कि, बस चालक ने शराब पी रखी थी और वह तेज रफ्तार से बस चला रहा था।

हादसे में किसी को गंभीर चोटें नहीं आई है वहीं कुछ लोगों को मामूली चोटें आने पर उन्हे प्राथमिक उपचार दिया गया है। लोगों का कहना है कि, पहाड़ जा रही बस चालक के शराब पीने के कारण पहाड़ी मार्ग पर पहुंचने पर किसी बड़े हादसे की भी आशंका बनी हुई थी। वहीं सुबह सवेरे हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर बस चालक का मेडिकल कराने के साथ ही घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

भाजपा कौन होती है देशभक्ति का पैमाना नापने वाली: हरीश रावत

हमारे संवाददाता

देहरादून। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के घरों में झंडा फहराने के बयान पर विपक्ष ने उन पर निशाना साधा है। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत का कहना है कि किसी की देश भक्ति का पैमाना नापने वाली भाजपा कौन होती है।

पूर्व सीएम ने कहा कि यदि तिरंगा झंडा घर पर फहराना ही राष्ट्रभक्ति कहलाती है तो फिर उनके निकटवर्ती तो कई लोग व संगठन रहे हैं, जिन्होंने तिरंगा वर्षों तक नहीं फहराया। शायद इसके लिए वह आज भी संकोच करते हैं। उन्होने कहा कि देश में 42 करोड़ लोग गरीबी की रेखा के नीचे हैं। 50 करोड़ से अधिक ऐसे हैं, जिनके लिए हर दिन की रोटी जुटाने का सवाल है। इस संख्या में 37 करोड़ लोग तो भाजपा के शासनकाल में पिछले साढ़े सात वर्षों में गरीबी की रेखा से नीचे गए हैं। पूर्व सीएम ने कहा कि इस तरह के लोगों के पास कहां से झंडा और डंडा खरीदने के लिए पैसा आएगा।

संघ ने अपने कार्यालय में 51 साल तक झंडा नहीं फहराया: माहरा

देहरादून (सं)। मापदंड ऐसे नहीं बनाए जाने चाहिए जिसको कूदने में आपके किसी नागरिक को कठिनाई हो।

यह बात कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा द्वारा कही गयी उन्होने कहा कि संघ ने अपने कार्यालय में 51 साल तक झंडा नहीं फहराया। तीन लड़कों ने जब उनके कार्यालय में झंडा फहराया तो उन लड़कों को इस पर 2013 तक मुकदमा झेलना पड़ा। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का बयान बचकाना है। प्रदेश अध्यक्ष पद पर रहते हुए उन्हें सोच समझकर बोलना चाहिए। पहाड़ में अधिकतर लोग तिरंगा नहीं लगा पाए हैं क्योंकि भाजपा कार्यकाल में उनकी आर्थिकी में गिरावट आई है। पहाड़ में तमाम लोग देश से प्रेम करते हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को तिरंगा न लगाने वालों के बारे में पता लगाना है तो उन्हें नागपुर में आरएसएस का मुख्यालय जाकर इस बारे में पता करना चाहिए।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।